का काम एन.सी.सी. केडिट्स से लिया जा सकता है। जिन इलाकों से होकर गंगा नदी गुजरती है, वहां के ग्राम समाज और ग्राम सभा को इसकी जिम्मेदारी दी जा सकती है, वहां के ग्राम प्रधानों को इसकी जिम्मेदारी दी जा सकती है। किसी न किसी के बीच से होकर तो इस नदी को गुजराना ही है, वहां के स्कूल-कॉलेजों को, स्टूडेंट्स को इस बात की जिम्मेदारी दी जा सकती है कि वहां के एन.सी.सी. केडिट्स या स्टूडेंट्स इसकी सफाई में हिस्सा लें और जो स्टूडेंट्स इसकी सफाई में हिस्सा लें उनको अलग से कोई सर्टिफिकेट दिया जाए और सरकारी नौकरियों व बैंक के लोन्स में उनको किसी तरह की राहत व सहूलियत दी जाए। मैं खास तौर से सभी का ध्यान, चाहे इस सदन के सदस्य हों, चाहे दूसरे सदन के सदस्य हों, चाहे सदन के बाहर रहने वालें लोग हों, सभी का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित करते हुए कहना चाहता हूं कि हमें एक न एक दिन गंगा के पानी की सफाई और पवित्रता के बारे में इसलिए गौर करना पड़ेगा क्योंकि यह सिर्फ एक ऐसी नदी नहीं है जो गंगोत्री से निकलकर बंगाल की खाड़ी में सिर्फ एक पानी की शक्त में जाकर गिर जाती है, बल्कि इसके पानी की गंदगी के बहुत नुकसानात् हैं । उन नुकसानात् का अंदाजा शायद उन लोगों को न हो सके जो उस पानी का इस्तेमाल नहीं करते । लेकिन जो सिर्फ उसी के पानी पर जिंदा हैं, जिसको बर्तनों में भरकर उनके घरों का खाना बनता है, जिससे उनके कपड़े धुलते हैं, जिसमें उनके जानवर अपनी जिंदगी हासिल करते हैं, और खेतों में जाकर फसल उगाने का काम करते हैं, उनके लिए गंगा का पानी बहुत अहम है ।

इसलिए , उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से, आपका शुक्रिया अदा करते हुए सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि गंगा के पानी की सफाई के लिए सरकार खुद संकल्प ले और समाज की तमाम स्वयं सेवी संस्थाएं भी इसमें हिस्सेदार बनें । बहुत-बहुत शुक्रिया ।

श्री मनोहर कान्त ध्यानी (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं इनके वक्तव्य से अपने आपको संबद्ध करता हूं ।

Excavation and Conservation of Historical and Archaeologically important places in Madhubani Distt, in Bihar with a view to make it tourist's place

श्री रामदेव भंडारी (बिहार) : उपभाध्यक्ष महोदय, बिहार का मधुबनी जिला जहां से मैं आता हूं, वह ऐतिहासिक और पुरात्तव की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण हैं । राजा जनक की राजधानी जनकपुर नेपाल में है परंतु मधुबनी से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर है । इस प्रकार से सीताजी का जन्म-स्थान मधुबनी के समीप है। राजा बलि का बलिराजगढ़ भी इसी जिले में है । मैंने स्वंय इस स्थल को देखा है । यहां डेढ़-डेढ़ फीट आकार की ईटें तथा पुरातत्व की अन्य महत्वपूर्ण वस्तुएं पाई गई हैं ।

महोदय, अन्दराठाड़ी और पश्चन गांव में बौद्धकालीन मुद्रांए एंव अन्य वस्तुएं पाई गई है । जो अन्दराठाड़ी के एक छोटे से म्यूजियम में रखी हुई है । इसके अतिरिक्त इस जिले मे सैकडों ऐसे ऐतिहासिक स्थल हैं जिनकी खुदाई करने से हमें देश के प्राचीन और गौरवशाली इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। यह क्षेत्र टूरिज्म की दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण हो सकता है । पहले यहां कुछ स्थलों की खुदाई की जा रही थी परन्तु किन्हीं कारणों से उसे बदं कर दिया गया है । मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि अन्दराठाड़ी, पश्चन एवं बलिराजगढ़ के एतिहासिक स्थलों की खुदाई के साथ ही अन्य महत्वपूर्ण स्थलों की खुदाई की जाए और इस क्षेत्र को एक टुरिस्ट सर्किट के रूप में डेवलप किया जाए जिससे देश और विदेश के लोग इस क्षेत्र की यात्रा कर सकें और ऐतिहासिक स्थलों को देख सकें । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

PROF. (SHRIMATI) BHARATI RAY (West Bengal): Sir, I would also like to associate myself with the sentiments expressed by my hon. colleague, Shri Ram Deo Bhandari.

Alarming Increase in Deaths due to Road Accidents in Delhi

श्री ओ.पी. कोहली (दिल्ली) : आदरणीय उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन और सरकार का ध्यान दिल्ली की सड़कों पर बढ़ती हुई दुर्घटनाओं की ओर दिलाना चाहता हूं । दिल्ली में प्रतिवर्ष इतनी बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाओं में मौतें हो रही हैं । जिसके कारण दिल्ली में जीवन बहुत असुरक्षित हो गया है । महोदय, चेन्नई, कलकत्ता और मुम्बई जैसे महानगरों में कुल मिलाकर प्रतिवर्ष सड़क दुर्घटनाओं में जितनी मौतें होती है, उससे कहीं ज्यादा दिल्ली की सड़कों पर हो रही हैं ।

महोदय, 1995 मे चेन्नई, कलकत्ता और मुम्बई, इन

तीन महानगरों में 1817 लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए जबकि दिल्ली में 1995 में 2090 मौतें सड़क दुर्घटनाओं मे हुई । इसी तरह से 1996 में उनतीन महानगरों में 1842 लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु हुई जबकि दिल्ली में 2091 लोगों की क मृत्यु हुई । महोदय, 1997 के पहले दो महीनों यानी जनवरी और फरवरी में दिल्ली में 327 घातक सड़क दुर्घटनाएं हुई जिनमें 136 लोगों की मृत्यु हुई है । महोदय, यातायात पुलिस दिल्ली मे यातायात का प्रबंध करने और यातायात को नियंत्रित करने और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में पूरी तरह से असफल रही है ।

महोदय, इन दुर्घअनाओं के कई कारण जान पड़ते हैं । बढ़ते हुए वाहन एक कारण हैं, सड़कों की बुरी हालत दूसरा कारण है, बेतहाशा एनक्रोचमेंट तीसरा कारण हैं, रांगफुल पार्किग चौथा कारण हैं। लेकिन इससे भी बड़ा कारण है यातायात नियंत्रण करने वाली पुलिस का भ्रष्टाचारी व्याप्त होना। ऐसी बातें आए दिन देखने को मिलती है कि किसी ट्रक को पकड़ लिया जाता है, उससे कुछ पैसे लेकर उसको छोड़ दिया जाता है। भारी मालवाहक वाहन रात्रि में अनधिकृत रूप से प्रवेश करते हैं,उन्हें पकड़ा जाता है और पैसे लेकर छोड़ दिया जाता है, चालान नहीं होता । निर्धारित गति का पालन नहीं होता, पैसे लेकर छोड़ दिया जाता है, चालान नहीं होता । डिफेक्टिव नंबर प्लेट वाले वाहन दिल्ली की सड़को पर घूमते हैं, पैसे लेकर छोड़ दिया जाता है, चालान नहीं होता ।प्रेशर हॉर्न बजाए जाते हैं , पैसे लेकर छोड़ दिया जाता है, चालान नहीं होता । महोदय, यातायात पुलिस विभाग में ऊपर से नीचे तक जो भ्रष्टाचार व्याप्त है, जब तक उसको कड़ाई से डील नहीं किया जाएगा, तब तक दिल्ली की सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना संभव नहीं है । महोदय, दिल्ली में बढ़ते हुए कंजेशन को रोकने की दिशा में भी किसी प्रकार की कोई तत्परता दिखाई नहीं पडती । जो योजनाएं बनी है, वे बहुत ढीले-ढालें ढंग से आगे बढ़ रही है । उदाहरण के तौर पर मास रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम, जिससे तेज गति से नेशनल कैपिटल टैरिटरी रीजन योजना, जिसको लागू करके दिल्ली के कंजेशन को कम किया जा सकता था, वह भी अभी तक नहीं हुआ है । मैं आपके माध्यम से एक मागं करना चाहता हूं ।

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : प्लीज कांक्लूड।

श्री ओ. पी. कोहली : मैं समाप्त कर रहा हूं । ट्रैफिक पुलिस का संबंध लॉ एंड आर्डर से इतना नहीं, इसका काम तो यातायात को नियंत्रित करना है और दिल्ली की निर्वाचित सरकार के अधीन यातायात पुलिस को लाया जा सकता है, ट्रैफिक पुलिस को लाया जा सकता है। लॉ एड आर्डर को केन्द्र ने अपने हाथ में रखा हुआ है।

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : समाप्त करें ।

श्री ओ. पी. कोहली : भले ही लॉ एंड आर्डर को केन्द्र अपने पास रखे लेकिन ट्रैफिक पुलिस को दिल्ली की सरकार के ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के हवाले करने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

श्री गोविन्द राम गिरी (मध्य प्रदेश) **:** उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं इससे संबद्ध करते हुए मांग करता हूं कि दिल्ली सरकार को ट्रैफिक विभाग भी दिया जाए ।

Resentment and confusion amongst telephone consumers of Kalyan due to issuance of bogus fake receipts by telecom officials

PROF. RAM KAPSE (Maharashtra): Hon. Vice-Chairman, the telecom consumers of Kalyan, which is a suburb of Mumbai, are facing a very big problem. Especially the STD/PCO owners who are poor people, are facing the problem. They paid the bills for installation of their telephones in time, but they are being asked to pay the bills again. The worst part of the whole story is that the telecom officials of this area, either in collusion with or in connivance with the printing agency, have passed the bogus receipts in token of the realisation of payment of telephone bills to the tune of 35 lakhs. The action against the consumers in these circumstances is totally unjustified as they had paid the bills and they were deceived by the officers in collusion with the printing press. Great resentment and confusion prevails amongst the consumers of Kalyan and Dombivili. I urge upon the Communication Minister to give justice to the consumers of this area and oblige. Thank you.